QuickNotes

FREE STUDY NOTES · PDF

UGC NET Paper 2

Pali · पालि (083)

Complete revision notes — all 10 units

10 units | Tables & formulas | Key revision points

01 पालि भाषा: उद्भव और स्वरूप
02 संगीतियाँ
03 विनयपिटक
04 सुत्तपिटक
05 खुद्दकनिकाय के प्रमुख ग्रंथ
06 अभिधम्मपिटक
07 अनुपिटक साहित्य
08 अट्ठकथा और बुद्धघोस
09 वंस साहित्य
10 पालि व्याकरण और बौद्ध दर्शन

getquicknotes.com

Edition: November 2026

CONTENTS

What's inside

Ten units of focused revision notes. Each unit ends with a box of key revision points.

01 **पालि भाषा: उद्भव और स्वरूप** — पालि शब्द का अर्थ, मूल प्रदेश और विशेषताएँ। 3

02 **संगीतियाँ** — बौद्ध संगीतियाँ और त्रिपिटक का संकलन। 4

03 **विनयपिटक** — भिक्खु-भिक्खुनी संघ के नियम। 5

04 **सुत्तपिटक** — पाँच निकाय। 6

05 **खुद्दकनिकाय के प्रमुख ग्रंथ** — धम्मपद, जातक, थेरी-गाथाएँ। 7

06 **अभिधम्मपिटक** — सात ग्रंथ और बौद्ध मनोविज्ञान। 8

07 **अनुपिटक साहित्य** — मिलिन्दपञ्ह, नेत्तिप्पकरण, पेटकोपदेस। 9

08 **अट्ठकथा और बुद्धघोस** — पालि भाष्य-साहित्य। 10

09 **वंस साहित्य** — श्रीलंका के पालि इतिहास-ग्रंथ। 11

10 **पालि व्याकरण और बौद्ध दर्शन** — व्याकरण-संप्रदाय और मूल सिद्धांत। 12

How to use these notes

- Read one unit at a time, then test yourself with its key revision points.
- Make your own short notes on topics you find difficult.
- Units follow the main areas of the official syllabus — the exact unit list can change between sessions.
- Always check the latest syllabus and notices on the official UGC NET portal: **ugcnet.nta.ac.in**.

UNIT 01

पालि भाषा: उद्भव और स्वरूप

पालि शब्द का अर्थ, मूल प्रदेश और विशेषताएँ।

- 'पालि' का मूल अर्थ — बुद्धवचन / मूल पाठ (अट्ठकथा से भिन्न)।
- मूल प्रदेश के मत — मागधी (परंपरागत थेरवाद मत), उज्जैनी, कलिंग; बुद्धघोस ने इसे 'मागधी' कहा।
- पालि मध्य भारतीय आर्यभाषा (प्रथम प्राकृत) है; थेरवाद बौद्ध धर्म की धर्मभाषा।

★ मुख्य स्मरणीय बिंदु

- 'पालि' = मूल बुद्धवचन।
- थेरवाद मत — मागधी।
- प्रथम प्राकृत — पालि।
- थेरवाद की धर्मभाषा।

UNIT 02

संगीतियाँ

बौद्ध संगीतियाँ और त्रिपिटक का संकलन।

संगीति	स्थान / अध्यक्ष / संरक्षक
प्रथम	राजगृह (सप्तपर्णी गुफा) — महाकस्सप; अजातशत्रु
द्वितीय	वैशाली — कालाशोक; विनय के दस बिंदुओं पर विवाद
तृतीय	पाटलिपुत्र — मोग्गलिपुत्त तिस्स; अशोक; 'कथावत्थु'
चतुर्थ (थेरवाद परंपरा)	श्रीलंका, आलोकविहार — त्रिपिटक का लेखन (प्रथम शताब्दी ई.पू.)

★ मुख्य स्मरणीय बिंदु

- प्रथम संगीति — महाकस्सप।
- तृतीय — मोग्गलिपुत्त तिस्स।
- 'कथावत्थु' — तृतीय संगीति।
- त्रिपिटक लेखन — श्रीलंका।

UNIT 03

विनयपिटक

भिक्खु-भिक्खुनी संघ के नियम।

- विभाग — सुत्तविभंग (पाराजिका, पाचित्तिय), खन्धक (महावग्ग, चुल्लवग्ग), परिवार।
- पातिमोक्ख — भिक्खुओं के 227 नियम (थेरवाद)।
- चार पाराजिका — मैथुन, चोरी, मनुष्य-हत्या, झूठा अलौकिक दावा।

★ मुख्य स्मरणीय बिंदु

- पातिमोक्ख — 227 नियम।
- खन्धक — महावग्ग, चुल्लवग्ग।
- चार पाराजिका।
- परिवार — विनय का अंतिम भाग।

UNIT 04

सुत्तपिटक

पाँच निकाय।

निकाय	विशेषता
दीघनिकाय	34 लंबे सुत्त; 'महापरिनिब्बान सुत्त'
मज्झिमनिकाय	152 मध्यम सुत्त
संयुत्तनिकाय	विषयानुसार संयुत्त सुत्त; 'धम्मचक्कप्पवत्तन सुत्त'
अंगुत्तरनिकाय	संख्या-क्रम (एक से ग्यारह) में सुत्त
खुद्दकनिकाय	धम्मपद, जातक, थेरगाथा, थेरीगाथा, सुत्तनिपात आदि

★ मुख्य स्मरणीय बिंदु

- दीघनिकाय — 34 सुत्त।
- मज्झिमनिकाय — 152 सुत्त।
- प्रथम उपदेश — धम्मचक्कप्पवत्तन सुत्त।
- खुद्दकनिकाय — धम्मपद, जातक।

UNIT 05

खुद्दकनिकाय के प्रमुख ग्रंथ

धम्मपद, जातक, थेरी-गाथाएँ।

- धम्मपद — 26 वग्ग, 423 गाथाएँ।
- जातक — बोधिसत्त के पूर्वजन्मों की 547 कथाएँ।
- थेरीगाथा — भिक्खुनियों के उद्गार; विश्व का प्राचीनतम स्त्री-काव्य संग्रह माना जाता है।
- सुत्तनिपात — प्राचीनतम अंशों वाला ग्रंथ (अट्ठकवग्ग, पारायनवग्ग)।

★ मुख्य स्मरणीय बिंदु

- धम्मपद — 423 गाथाएँ।
- जातक — 547 कथाएँ।
- थेरीगाथा — भिक्खुनियों की गाथाएँ।
- सुत्तनिपात — प्राचीन अंश।

UNIT 06

अभिधम्मपिटक

सात ग्रंथ और बौद्ध मनोविज्ञान।

- सात ग्रंथ — धम्मसंगणि, विभंग, धातुकथा, पुग्गलपञ्ञत्ति, कथावत्थु, यमक, पट्ठान।
- पट्ठान — 24 प्रत्ययों (पच्चय) का विवेचन; सबसे बड़ा ग्रंथ।
- चार परमत्थ — चित्त, चेतसिक, रूप, निब्बान।

★ मुख्य स्मरणीय बिंदु

- अभिधम्म — सात ग्रंथ।
- पट्ठान — 24 पच्चय।
- चार परमत्थ।
- धम्मसंगणि — प्रथम ग्रंथ।

UNIT 07

अनुपिटक साहित्य

मिलिन्दपञ्ह, नेत्तिप्पकरण, पेटकोपदेस।

- मिलिन्दपञ्ह — राजा मिलिन्द (मेनांडर) और भिक्खु नागसेन का संवाद।
- नेत्तिप्पकरण और पेटकोपदेस — व्याख्या-पद्धति के ग्रंथ।
- म्यांमार की परंपरा में मिलिन्दपञ्ह खुद्दकनिकाय में सम्मिलित।

★ मुख्य स्मरणीय बिंदु

- मिलिन्दपञ्ह — मेनांडर और नागसेन।
- नेत्तिप्पकरण — व्याख्या-पद्धति।
- पेटकोपदेस — अनुपिटक।
- म्यांमार — मिलिन्दपञ्ह को पिटक में मानता है।

UNIT 08

अट्ठकथा और बुद्धघोस

पालि भाष्य-साहित्य।

- बुद्धघोस (5वीं शताब्दी ई.) — 'विसुद्धिमग्ग' (शील, समाधि, पञ्ञा); अनेक अट्ठकथाएँ।
- अट्ठकथाएँ — सुमंगलविलासिनी (दीघनिकाय), पपञ्चसूदनी (मज्झिमनिकाय), अट्ठसालिनी (धम्मसंगणि)।
- बुद्धदत्त, धम्मपाल — अन्य अट्ठकथाकार।

★ मुख्य स्मरणीय बिंदु

- 'विसुद्धिमग्ग' — बुद्धघोस।
- सुमंगलविलासिनी — दीघनिकाय।
- अट्ठसालिनी — धम्मसंगणि।
- धम्मपाल — अट्ठकथाकार।

UNIT 09

वंस साहित्य

श्रीलंका के पालि इतिहास-ग्रंथ।

- दीपवंस — प्राचीनतम वंस-ग्रंथ (4थी शताब्दी ई.)।
- महावंस — महानाम (5वीं-6ठी शताब्दी ई.); चूळवंस — परवर्ती भाग।
- बुद्धवंस (खुद्दकनिकाय), थूपवंस, सासनवंस (म्यांमार)।

★ मुख्य स्मरणीय बिंदु

- प्राचीनतम वंस — दीपवंस।
- महावंस — महानाम।
- चूळवंस — परवर्ती भाग।
- सासनवंस — म्यांमार।

UNIT 10

पालि व्याकरण और बौद्ध दर्शन

व्याकरण-संप्रदाय और मूल सिद्धांत।

- व्याकरण — कच्चान (कच्चायन व्याकरण), मोग्गल्लान, अग्गवंस ('सद्दनीति', म्यांमार)।
- चार आर्यसत्य; आर्य अष्टांगिक मार्ग; प्रतीत्यसमुत्पाद (12 कड़ियाँ)।
- त्रिलक्षण — अनिच्च, दुक्ख, अनत्त।

★ मुख्य स्मरणीय बिंदु

- 'सद्दनीति' — अग्गवंस।
- प्रथम व्याकरण — कच्चान।
- प्रतीत्यसमुत्पाद — 12 कड़ियाँ।
- त्रिलक्षण — अनिच्च, दुक्ख, अनत्त।

QuickNotes

Learn Quickly. Prepare Smartly.

More free study notes

Free PDFs for UGC NET Paper 1, every Paper 2 subject, IBPS RRB and SSC CHSL — no sign-up.

www.getquicknotes.com

Free for personal study — not for sale. You may share this PDF unchanged and free of charge.

QuickNotes is an independent educational platform. It is not affiliated with, endorsed by or connected to the University Grants Commission (UGC), the National Testing Agency (NTA) or any government examination authority. These are original revision notes; always refer to the official notification for exam dates, eligibility, pattern and syllabus.

Found a mistake? Email support@getquicknotes.com · Edition: November 2026